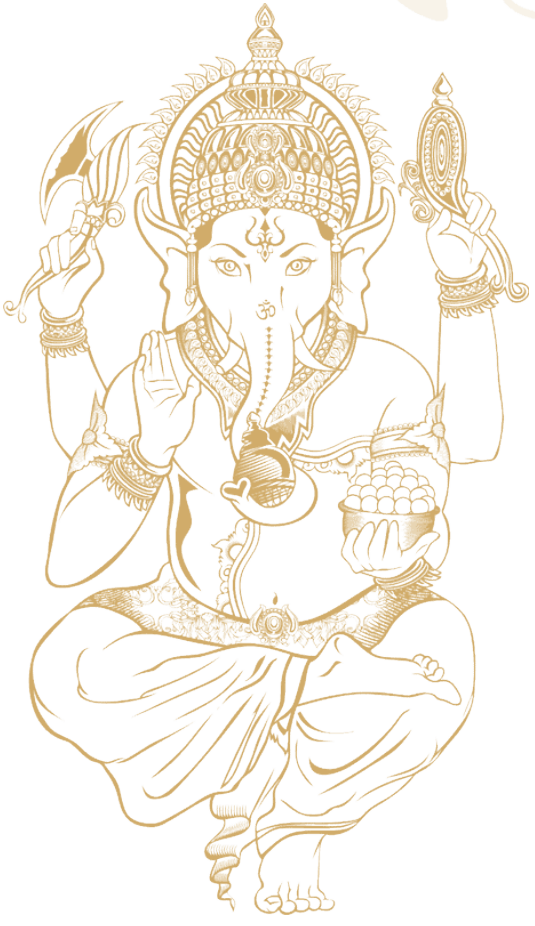

Gurvinder

23 May 2011

08:00 AM

Kurukshetra

Model: web-freekundliweb

Order No: 121673910

लिंग	पुल्लिंग
जन्म तिथि	**23/05/2011**
दिन	सोमवार
जन्म समय	**08:00:00 घंटे**
इष्ट	06:26:13 घटी
स्थान	**Kurukshetra**
राज्य	Haryana
देश	India

अक्षांश	29:59:00 उत्तर
रेखांश	76:51:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	-00:22:36 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	07:37:24 घंटे
वेलान्तर	00:03:18 घंटे
साम्पातिक काल	23:38:51 घंटे
सूर्योदय	05:25:30 घंटे
सूर्यास्त	19:13:26 घंटे
दिनमान	13:47:56 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	उत्तर
ऋतु	ग्रीष्म
सूर्य के अंश	07:37:41 वृष
लग्न के अंश	14:15:56 मिथुन

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मिथुन - बुध
राशि-स्वामी	**मकर - शनि**
नक्षत्र-चरण	**श्रवण - 3**
नक्षत्र स्वामी	चन्द्र
योग	ब्रह्म
करण	वणिज
गण	देव
योनि	वानर
नाड़ी	अन्त्य
वर्ण	वैश्य
वश्य	जलचर
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	भूमि
जन्म नामाक्षर	खे-खेमचन्द
पाया(राशि-नक्षत्र)	लौह - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मिथुन

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मिथु	14:15:56	319:22:32	आर्द्रा	3	6	बुध	राहु	बुध	---
सूर्य			वृष	07:37:41	00:57:41	कृतिका	4	3	शुक्र	सूर्य	केतु	शत्रु राशि
चंद्र			मक	18:36:56	12:29:12	श्रवण	3	22	शनि	चंद्र	बुध	सम राशि
मंगल			मेष	14:48:48	00:44:35	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	स्वराशि
बुध			मेष	16:30:58	01:36:49	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	चंद्र	सम राशि
गुरु			मेष	03:19:28	00:13:10	अश्विनी	1	1	मंगल	केतु	सूर्य	मित्र राशि
शुक्र			मेष	14:41:48	01:12:54	भरणी	1	2	मंगल	शुक्र	शुक्र	सम राशि
शनि	व		कन्या	16:47:30	00:02:04	हस्त	3	13	बुध	चंद्र	शनि	मित्र राशि
राहु			वृश्चि	29:35:59	00:01:11	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	शत्रु राशि
केतु			वृष	29:35:59	00:01:11	मृगशिरा	2	5	शुक्र	मंगल	शनि	सम राशि
हर्ष			मीन	09:38:41	00:02:10	उ०भाद्रपद	2	26	गुरु	शनि	शुक्र	---
नेप			कुंभ	06:52:22	00:00:22	शतभिषा	1	24	शनि	राहु	राहु	---
प्लूटो	व		धनु	13:01:43	00:01:10	मूल	4	19	गुरु	केतु	बुध	---
दशम भाव			मीन	00:13:23	--	पू०भाद्रपद	--	25	गुरु	गुरु	चंद्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:01:15

लग्न-चलित

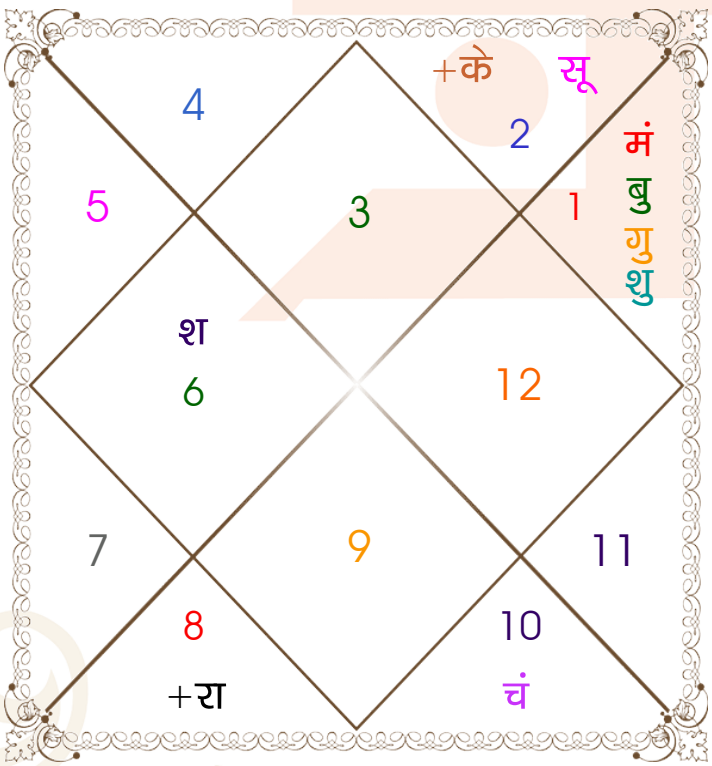

चन्द्र कुंडली

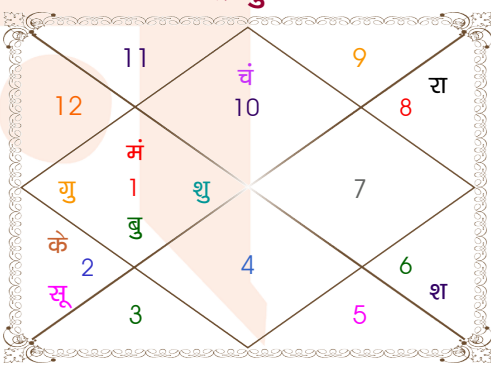

नवमांश कुंडली

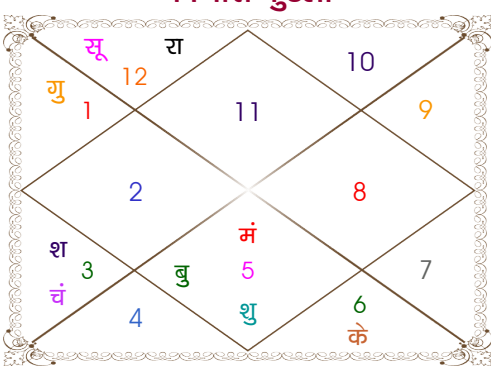

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : चन्द्र 3 वर्ष 6 मास 14 दिन

चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष	
23/05/2011		05/12/2014		05/12/2021		05/12/2039		05/12/2055	
05/12/2014		05/12/2021		05/12/2039		05/12/2055		05/12/2074	
	00/00/0000	मंगल	03/05/2015	राहु	17/08/2024	गुरु	23/01/2042	शनि	08/12/2058
	00/00/0000	राहु	21/05/2016	गुरु	11/01/2027	शनि	05/08/2044	बुध	17/08/2061
	00/00/0000	गुरु	27/04/2017	शनि	17/11/2029	बुध	11/11/2046	केतु	26/09/2062
	00/00/0000	शनि	06/06/2018	बुध	05/06/2032	केतु	18/10/2047	शुक्र	26/11/2065
	23/05/2011	बुध	03/06/2019	केतु	24/06/2033	शुक्र	18/06/2050	सूर्य	08/11/2066
बुध	06/03/2012	केतु	30/10/2019	शुक्र	23/06/2036	सूर्य	06/04/2051	चंद्र	08/06/2068
केतु	05/10/2012	शुक्र	29/12/2020	सूर्य	18/05/2037	चंद्र	05/08/2052	मंगल	18/07/2069
शुक्र	06/06/2014	सूर्य	06/05/2021	चंद्र	17/11/2038	मंगल	12/07/2053	राहु	24/05/2072
सूर्य	05/12/2014	चंद्र	05/12/2021	मंगल	05/12/2039	राहु	05/12/2055	गुरु	05/12/2074

बुध 17 वर्ष		केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष	
05/12/2074		05/12/2091		05/12/2098		06/12/2118		06/12/2124	
05/12/2091		05/12/2098		06/12/2118		06/12/2124		00/00/0000	
बुध	03/05/2077	केतु	03/05/2092	शुक्र	07/04/2102	सूर्य	26/03/2119	चंद्र	06/10/2125
केतु	30/04/2078	शुक्र	03/07/2093	सूर्य	07/04/2103	चंद्र	24/09/2119	मंगल	07/05/2126
शुक्र	28/02/2081	सूर्य	08/11/2093	चंद्र	06/12/2104	मंगल	30/01/2120	राहु	06/11/2127
सूर्य	04/01/2082	चंद्र	09/06/2094	मंगल	05/02/2106	राहु	24/12/2120	गुरु	07/03/2129
चंद्र	06/06/2083	मंगल	05/11/2094	राहु	05/02/2109	गुरु	12/10/2121	शनि	06/10/2130
मंगल	02/06/2084	राहु	23/11/2095	गुरु	07/10/2111	शनि	24/09/2122	बुध	24/05/2131
राहु	20/12/2086	गुरु	29/10/2096	शनि	06/12/2114	बुध	01/08/2123		00/00/0000
गुरु	27/03/2089	शनि	08/12/2097	बुध	06/10/2117	केतु	06/12/2123		00/00/0000
शनि	05/12/2091	बुध	05/12/2098	केतु	06/12/2118	शुक्र	06/12/2124		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल चंद्र 3 वर्ष 6 मा 25 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

लग्न फल

आपका जन्म आर्द्रा नक्षत्र के तृतीय चरण में, मिथुन लग्न, कुंभ नवमांश एवं तुला के द्रेष्काण के उदयकाल में हुआ था। वर्तमान काल के प्रभाव से यह स्पष्ट होता है कि आपका व्यक्तित्व विचित्र विलक्षणता से युक्त है। कुछ काल के पश्चात् मिथुन प्रभाव से आप तानाशाही प्रवृति के हो जाएंगे। आप अपनी पत्नी/पति पर प्रभुत्व जमाएंगे। कुंभ नवांश के प्रभाव से यह चित्रित हो रहा है कि आपका स्वभाव विनम्र होगा। आप अपने कार्य-कलाप का ज्ञान मात्र अपने ध्यान में रख कर किस प्रकार कार्य संपादन किया जाए। उसी प्रकार नियम पूर्वक संपादित करेंगे।

निसंदेह आप अपना पारिवारिक जीवन शांति पूर्वक एवं आनंददायक ढंग से बिताना चाहते हैं। आप अपने निवास स्थान पर रह कर, अपने व्यवसाय संबंध स्थापित करना चाहते हैं। आप चाहते हैं कि आपकी पत्नी आपकी वासनात्मक प्रवृत्ति की अनदेखी कर दे। यदि जीवन संगिनी निष्ठुरता पूर्वक आपमें कुकृत्यों को प्रमाणित कर लें तथा उग्र रूप धारण कर ले। पुनः आप अपने चयनित जीवन को व्यवस्थित कर लेंगे, वही उत्तम होगा। इसके संबंध में आपको अधिक सावधानी पूर्वक व्यवहार करना चाहिए। अच्छी बात तो यह होगी यदि आप चाहते हैं कि मेरी धर्मपत्नी जीवन संगिनी सर्वोत्कृष्ट हो, तो आप उस राशि लग्न वालों के साथ संबंध स्थापित करें कि जिसका जन्म लग्न या राशि तुला मेष, सिंह अथवा कुंभ राशि का प्राणी हो। इस प्रकार की प्रवृत्ति आपके पारिवारिक जीवन को संतुलित रखने में सुनिश्चितता प्रदान करने में सहायक हो सकता है।

बहुधा आर्द्रा नक्षत्रीय प्राणी की प्रवृत्ति हिंसात्मक होती है और ये कृतघ्न हुआ करते हैं। ये अनैतिकता एवं दूसरों को पीड़ित करने की प्रवृत्ति को त्याग दें। अन्यथा इस प्रकार के रूझान को सुव्यवस्थित नही कर सके तो प्रोत्साहन के बिना सदैव ही बहुत अधिक धनोपार्जन की महत्वाकांक्षा समाप्त हो जाएगी।

मिथुन राशि का प्राणी निरंतर व्यग्र रहता है, यह एक आवश्यक विषय है। ये किसी भी विषय वस्तु की प्राप्ति हेतु विद्युत गति से कार्यरंभ करना चाहते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते हैं। ये अपनी योजना का कार्यान्वयन करते ही शीघ्रता पूर्वक परिणम प्राप्त करना चाहते हैं। ये अपनी दिनचर्या, विधि एवं विधान के संपादन हेतु अपने समय का उपभोग नही कर पाते हैं। अनुकूल परिणाम प्राप्ति हेतु निश्चय पूर्वक अपनी नियमित आदतों के अनुसार व्यवसाय को परिवर्तितकर शीघ्रता पूर्वक लाभ प्राप्त करना चाहते हैं। ये किसी भी प्रकार को निश्चित कार्य या पद संभालने में तथा कार्यरूप देने में असमर्थ हो जाते हैं।

यदि ये इस प्रकार की अपनी बुरी आदतों को छोड़ दें तो मुख्यतः 26 वर्ष की आयु से अपने उज्जवल भविष्य की ओर अपने जीवन को अग्रसर कर सकते हैं। अर्थात् अच्छी प्रकार जीवन व्यतीत हो सकता है। मिथुन लग्न राशि प्रभावित प्राणी के लिए अनुकूल कार्य, सेवा अथवा व्यवसाय के लिए पुस्तक संबंधी कार्य, विज्ञापन एवं प्रचार-प्रसार कार्य व्यवसाय अनुकूल है। यदि ये इनमें से कोई भी कार्य अपना लें तो वे पूर्णरूपेण उन्नतिशील एवं समृद्ध हो सकते

हैं।

मिथुन राशि वालों को कुछ भयानक रोग जैसे स्वर भंग रोग, क्षय रोग, दमा आदि रोगों के विरुद्ध सतर्क एवं रक्षित रहना चाहिए। ऐसे व्यक्ति यदा-कदा मुर्छित हो जाते हैं। क्योंकि ये एकनिष्ट होकर कठिन श्रम करते-करते उत्तेजना पूर्वक जीवन बिताने लगते हैं। इन्हें बुद्धिमत्ता पूर्वक शांति ग्रहण कर पूर्ण रूपेण विश्राम एवं शयन करना चाहिए।

आपके लिए बुधवार, एवं शुक्रवार, का दिन अनुकूल हैं, तथा मंगलवार रविवार, गुरुवार एवं सोमवार का दिन कठिन एवं हानिप्रद प्रमाणित होगा। शनिवार मध्य फलदायक है। आपके लिए अंक 3 एवं 5 अंक शुभ एवं उत्तम है। अंक 8 एवं 4 अंक त्याज्यनीय है।

साथ ही लाल रंग एवं काले रंग को अस्वीकृत करें। यद्यपि रंग बैगनी, नीला हरा एवं पीला रंग आपके लिए अनुकूल एवं व्यवहारणीय है।